हिंदी-विभाग

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र

(प्रदेश विधायिका एक्ट 12ए 1956 के तहत स्थापित)

('ए+ श्रेणी' राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा प्रदत्त)

बी ए (प्रोग्राम) हिंदी (ऐच्छिक) पाठ्यक्रम

सी. बी. सी. एस. (चयन-आधारित क्रेडिट पद्धति), सत्र 2020-21 से लागू

कोर्स कोड	कोर्स का नाम	क्रेडिट	शिक्षण घंटे / प्रति सप्ताह	परीक्षा की स्कीम (अंक)			
				परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक	समय
सेमेस्टर - I							
B-HIN(E)-CC-101	हिंदी साहित्य का इतिहास	6	6	80	20	100	3 घंटे
B-HIN(E)-AECC-102	हिंदी भाषा और व्याकरण	2	2	40	10	50	1.30 घंटे
सेमेस्टर - II							
B-HIN(E)-CC-201	मध्यकालीन हिंदी कविता	6	6	80	20	100	3 घंटे
B-HIN(E)-AECC-202	हिंदी भाषा और संप्रेषण कौशल	2	2	40	10	50	1.30 घंटे
सेमेस्टर - III							
B-HIN(E)-CC-301	आधुनिक हिंदी कविता	6	6	80	20	100	3 घंटे
B-HIN(E)-SEC-302	संभाषण कला	2	2	40	10	50	1.30 घंटे
सेमेस्टर - IV							
B-HIN(E)-CC-401	हिंदी गद्य साहित्य	6	6	80	20	100	3 घंटे
B-HIN(E)-SEC-402	समाचार संकलन और लेखन	2	2	40	10	50	1.30 घंटे
सेमेस्टर - V							
B-HIN(E)-SEC-501	कार्यालयी हिंदी	2	2	40	10	50	1.30 घंटे
B-HIN(E)-DSE-502-A B-HIN(E)-DSE-502-B	छायावादोत्तर हिंदी कविता **अथवा** हिंदी निबंध	6	6	80	20	100	3 घंटे
B-HIN(E)-GE-503	सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र	6	6	80	20	100	3 घंटे
सेमेस्टर - VI							
B-HIN(E)-SEC-601	अनुवाद विज्ञान	2	2	40	10	50	1.30 घंटे
B-HIN(E)-DSE-602-A B-HIN(E)-DSE-602-B	बालमुकुंद गुप्त **अथवा** लोक साहित्य	6	6	80	20	100	3 घंटे
B-HIN(E)-GE-603	आधुनिक भारतीय कविता	6	6	80	20	100	3 घंटे

पाठ्यक्रम अध्ययन के अपेक्षित परिणामः

1. व्यवहारिक व व्यावसायिक जीवन में भाषा का विशेषकर हिंदी भाषा का सही प्रयोग कर सकेगा।
2. हिंदी भाषा के विकास के माध्यम से भाषा के सैद्धांतिक पहलुओं तथा उसके परिवर्तन की दिशाओं का बोध होगा।
3. हिंदी साहित्य की विभिन्न धाराओं व परंपराओं की समझ विकसित होगी। विभिन्न युगों, धाराओं व रचनाकारों के साहित्य की विशिष्टताओं की समझ बढ़ेगी।
4. समकालीन साहित्य के विविध गद्य व पद्य रूपों के माध्यम से अपने युग का बोध होगा।
5. साहित्य की विभिन्न विधाओं में रचनात्मक लेखन व संप्रेषण की क्षमता विकसित होगी।
6. साहित्य संसार व वास्तविक संसार के यथार्थ के प्रति आलोचनात्मक समझ विकसित होगी और संवेदनशील व्यक्तित्व का विकास होगा।
7. साहित्य के सौंदर्य, कला तथा वैचारिक मूल्यों के प्रति विवेक का निर्माण होगा।
8. व्यक्तित्व विकास व जीवनयापन के लिए भाषायी कौशल, कंप्यूटर, अनुवाद, पत्रकारिता, जनसंचार, रंगमंच, चलचित्र आदि के बारे में सैद्धांतिक व व्यावहारिक ज्ञान होगा।
9. भारतीय समाज और सांस्कृतिक जीवन के विभिन्न पक्षों में अन्तर्निहित एकता के तत्त्वों का परिचय व पहचान होगी। देश व समाज की एकता-अंखडता की भावना विकसित होगी।
10. उद्यमशीलता की अंतर्दृष्टि व भविष्यदृष्टि का विकास होगा।
11. संदर्भ आधारित ग्रहण क्षमता के माध्यम से काल-परिस्थिति सापेक्ष ठोस विश्लेषणात्मक प्रवृत्ति का विकास होगा।

सेमेस्टर -1

B-HIN(E)-CC-101-हिंदी साहित्य का इतिहास

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-100**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी साहित्य के इतिहास से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- हिंदी भाषा के विकास के सोपानों की पहचान।
- हिंदी साहित्य की विभिन्न धाराओं की वैचारिक पृष्ठभूमि की समझ।
- हिंदी साहित्यकारों की रचना क्षमता व अभिव्यक्ति की विशिष्टताओं की पहचान।
- भारतीय पुनर्जागरण के मुद्दे व अंतर्विरोधों की पहचान। भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन व साहित्य के संबंधों की समझ

परीक्षा संबधी निर्देश - पाठ्यक्रम चार इकाइयों में विभक्त है। प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न -** निर्धारित पाठ्यक्रम की चारों इकाइयों में से आंतरिक विकल्प सहित एक-एक समीक्षात्मक प्रश्न पूछा जाएगा। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से छः के (लगभग 150 शब्दों में) उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषय

इकाई 1 हिंदी साहित्य इतिहास लेखन व आदिकाल

- इतिहास लेखन और साहित्येतिहास लेखन
- हिंदी साहित्य का काल विभाजन एवं नामकरण,
- आदिकालीन धार्मिक काव्यधाराएं - सिद्ध, नाथ एवं जैन
- आदिकालीन रासो काव्य
- आदिकालीन लौकिक काव्य

इकाई 2 भक्तिकाल व रीतिकाल

- भक्ति आन्दोलन: सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि,

- संत काव्यधारा की काव्यगत विशेषताएं और प्रमुख कवि
- सूफी काव्यधारा की काव्यगत विशेषताएं और प्रमुख कवि
- कृष्ण काव्यधारा की काव्यगत विशेषताएं और प्रमुख कवि
- राम कव्यधारा की काव्यगत विशेषताएं और प्रमुख कवि
- रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि,
- रीतिकालीन काव्यधाराएं और उनकी काव्यगत विशेषताएं (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त

इकाई 3 आधुनिक हिंदी काव्य का विकास

- 1857 का स्वतंत्रता संघर्ष और हिन्दी नवजागरण,
- भारतेन्दु युगीन साहित्य की विशेषताएँ,
- महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग,
- छायावादः प्रवृतियां और प्रमुख कवि
- प्रगतिवादः प्रवृतियां और प्रमुख कवि
- प्रयोगवादः प्रवृतियां और प्रमुख कवि
- नई कविताः प्रवृतियां और प्रमुख कवि
- समकालीन कविताः प्रवृतियां और प्रमुख कवि

इकाई 4 आधुनिक हिंदी गद्य विधाओं का उद्भव और विकास

- हिंदी नाटकः उद्भव और विकास
- हिंदी निबंधः उद्भव और विकास
- हिंदी उपन्यासः उद्भव और विकास
- हिंदी कहानीः उद्भव और विकास
- हिंदी पत्रकारिताः उद्भव और विकास
- हिंदी रेखाचित्रः उद्भव और विकास
- हिंदी संस्मरणः उद्भव और विकास
- हिंदी जीवनीः उद्भव और विकास
- हिंदी आत्मकथाः उद्भव और विकास
- अस्मितामूलक साहित्य एवं विमर्श (दलित, स्त्री, आदिवासी)।

सहायक पुस्तकें

- हिंदी भाषा का इतिहास - धीरेंद्र वर्मा
- हिंदी भाषा की संरचना - भोलानाथ तिवारी
- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां - नामवर सिंह
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी साहित्य का इतिहास - (सं.) डा. नगेंद्र
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह
- हिंदी साहित्य का इतिहास - लालचंद गुप्त मंगल
- हिंदी साहित्यः इतिहास के आइने में - डा. सुभाष चंद्र

B-HIN(E)-AECC-102-हिंदी भाषा और व्याकरण

क्रेडिट - 2 **कुल अंक-50**

समय-1.30 घंटे, **परीक्षा अंक - 40, आंतरिक मूल्यांकन - 10**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी व्याकरण तथा उसके अनुप्रयोग के लिए।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- इस पाठ पाठ्यक्रम से विद्यार्थी हिंदी भाषा का सही उच्चारण कर पाएगा।
- हिंदी व्याकरण के नियमों को सीखकर भाषा का मानक व शुद्ध प्रयोग करने में सक्षम होगा।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न** - निर्धारित पाठ्यक्रम में से 4 समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को 2 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।

- **लघुत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 4 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 2 के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 4 अंक निर्धारित हैं।

- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषयः

- व्याकरण का स्वरूप और महत्व
- व्याकरण और भाषा का संबंध
- हिंदी की वर्ण-व्यवस्था: स्वर एवं व्यंजन। स्वर के प्रकार - ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त।
- हिंदी भाषा शब्द भंडार - तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी
- शब्द निर्माण - उपसर्ग, प्रत्यय,
- पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द,
- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया
- मुहावरे, लोकोक्तियां
- हिंदी वाक्य रचना, वाक्य और उपवाक्य, वाक्य के भेद
- शब्द शुद्धि और वाक्य शुद्धि
- देवनागरी लिपि का मानकीकरण

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरु
- हिन्दी शब्दानुशासन - किशोरीदास वाजपेयी
- हिन्दी भाषा की संरचना - भोलानाथ तिवारी
- परिष्कृत हिन्दी व्याकरण - बदरी नाथ कपूर
- सामान्य हिन्दी - हरदेव बाहरी
- सामान्य हिन्दी - डॉ. पृथ्वी नाथ पाण्डेय

सेमेस्टर - II

B-HIN(E)-CC-201- मध्यकालीन हिंदी कविता

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-100**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

मध्यकालीन कविता से परिचित करवाने के लिए।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- मध्यकालीन कविता का बोध होगा।
- सगुण, निर्गुण, रीतिकाल के विभिन्न कवियों की काव्य विशिष्टता की पहचान कर पायेंगे।
- मध्यकालीन भाषा व अभिव्यक्ति के विभिन्न रूपों की पहचान होगी।
- अपनी काव्य परंपरा की जानकारी मिलेगी।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र पांच खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या खंड** - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो पाठांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ-बोध खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को उस पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाकारों के साहित्यिक परिचय, उनके साहित्य की विषयवस्तु, मूल संवेदना व रचना-सौष्ठव संबंधी पांच समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगें। विद्यार्थी को किंही तीन का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी खंड -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से सात लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से चार के उत्तर (लगभग 150 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ खंड -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

निर्धारित कवि व उनका काव्य

1. कबीरदास
2. रैदास

3. सूरदास
4. तुलसीदास
5. रहीम
6. मीराबाई
7. बिहारी
8. घनानंद
9. गरीबदास

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी साहित्य का इतिहास- रामचन्द्र शुक्ल
- मध्यकालीन बोध और साहित्यः- हजारी प्रसाद द्विवेदी
- तुलसीदास और उनका युग- डॉ. रामविलास शर्मा
- कबीर एक नई दृष्टि- रघुवंश
- कबीर के आलोचक- डॉ. धर्मवीर
- कबीर- गोविन्द त्रिगुणायत
- कबीर- हजारी प्रसाद द्विवेदी
- मीराबाई- परशुराम चतुर्वेदी

B-HIN(E)-AECC-202-हिंदी भाषा और संप्रेषण कौशल

क्रेडिट - 2 **कुल अंक-50**

समय-1.30 घंटे, **परीक्षा अंक - 40, आंतरिक मूल्यांकन - 10**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

संप्रेषण की विधियों और सिद्धांतों से परिचय के लिए। हिंदी भाषा में अपेक्षित संप्रेषण के लिए।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- हिंदी भाषा में अपेक्षित संप्रेषण कर पाएगा।
- संप्रेषण की विधियों को सीखकर हिंदी भाषा में मौखिक व लिखित रूप में अपेक्षित व प्रभावी संप्रेषण करने में सक्षम होगा।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न** - निर्धारित पाठ्यक्रम में से 4 समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को 2 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 4 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 2 के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 4 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषयः

- भाषा का स्वरुप एवं विशेषताएं
- हिंदी भाषा का विकास
- हिंदी भाषा के विविध रूप - संपर्क भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा
- हिंदी की संविधानिक स्थिति
- देवनागरी लिपि का मानकीकरण
- संप्रेषण की अवधारणा एवं महत्व
- संप्रेषण के प्रकार - मौखिक और लिखित
- संप्रेषण में बाधाएं और चुनौतियां
- संप्रेषण के विविध रूप - साक्षात्कार, भाषण, संवाद, सामूहिक चर्चा आदि।
- संवाद कला
- भाषण कला
- संप्रेषण के माध्यम
- जनसंचार के लिए लेखन

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास - उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार
- हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास - सत्यनारायण तिवारी
- राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान - देवेन्द्रनाथ शर्मा
- प्रयोजनमूलक हिन्दी - दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन
- प्रयोजनमूलक हिन्दी - प्रो. रमेश जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
- राजभाषा सहायिका - अवधेश मोहन गुप्त, प्रभात प्रकाशन
- जनसंचारिकी सिद्धांत और अनुप्रयोग - प्रो. राम लखन मीना, कल्पना प्रकाशन
- जनमाध्यमों का मायाजाल - नोम चॉम्स्की
- जनसंपर्क सिद्धांत और व्यवहार - अर्जुन तिवारी

सेमेस्टर -III

B-HIN(E)-CC-301-आधुनिक हिंदी कविता

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-100**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

आधुनिक कविता से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- आधुनिक काल के कवियों की काव्य क्षमता को जान पायेंगे।
- नवजागरण की समझ बनेगी।
- साहित्यकारों द्वारा राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान की गई अभिव्यक्ति को चिह्नित कर पायेंगे।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र पांच खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या खंड** - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो पाठांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ-बोध खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं से एक पद्यांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिए जायेंगे विद्यार्थी को उस पद्यांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाकारों के साहित्यिक परिचय, उनके साहित्य की विषयवस्तु, मूल संवेदना व रचना-सौष्ठव संबंधी पांच समीक्षात्मक प्रश्न पूछा जायेंगें। विद्यार्थी को किंही तीन का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी खंड -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से सात लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से चार के उत्तर (लगभग 150 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ खंड -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

निर्धारित कवि व उनका काव्य

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
2. मैथिलीशरण गुप्त
3. जयशंकर प्रसाद

4. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
5. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
6. मुक्तिबोध
7. शमशेर बहादुर सिंह
8. नागार्जुन
9. नरेश मेहता
10. कुंवरनारायण

सहायक पुस्तकें

- मुक्तिबोधः प्रतिनिधि कविताएँ राजकमल प्रकाशन
- केदारनाथ सिहिः प्रतिनिधि कविताएँ राजकमल प्रकाशन
- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना- कृष्णदत्त पालीवाल
- कुँवर नारायणः उपस्थिति- सं. यतीन्द्र मिश्र
- साहित्य और समकालीनता - राजेश जोशी
- आधुनिक साहित्य - नंददुलारे वाजपेयी
- निराला - राम विलास शर्मा
- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां - नामवर सिंह

B-HIN(E)-SEC-302-संभाषण कला

क्रेडिट - 2 **कुल अंक-50**

समय-1.30 घंटे, **परीक्षा अंक - 40, आंतरिक मूल्यांकन - 10**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

संभाषण के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पहलुओं से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- सावर्जनिक मंचों पर अभिव्यक्ति की क्षमता विकसित होगी।
- वैयक्तिक, सामाजिक व व्यावसायिक व्यवहार में संवाद क्षमता विकसित होगी।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न** - निर्धारित पाठ्यक्रम में से 4 समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को 2 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 4 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 2 के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 4 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषयः

- संभाषण का अर्थ, स्वरूप एवं प्रमुख घटक
- संभाषण के विभिन्न रूप - वार्तालाप, व्याख्यान, वाद-विवाद, एकालाप, अवाचिक अभिव्यक्ति, जन संबोधन।
- जन सम्पर्क में वाककला की उपयोगिता
- संभाषण कला के प्रमुख उपादानः भाषा ज्ञान, मानक उच्चारण, सटीक प्रस्तुति, अन्तराल ध्वनि (वाल्यूम), वेग, लहजा (एक्सेण्ट)।
- संभाषण कला के विभिन्न रूपः उदघोषणा कला (अनाउन्सेमेंट), आंखों देखा हाल (कमेन्ट्री), संचालन (एंकरिंग), वाचन कला, समाचार वाचन (रेडियो, टी. वी.), मंचीय वाचन (कविता, कहानी, व्यंग्य आदि)।
- वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं समूह संवाद।
- लोक प्रशासन, जनसम्पर्क एवं विपणन के विकास में संभाषण कला का योगदान।
- संवादी भाषा (कनवर्सेशनल लैंग्वेज) के रूप में हिन्दी की भाषिक संवेदना की विवेचना।

सहायक पुस्तकें

- भाषण कला - महेश शर्मा
- अच्छी हिंदीः संभाषण और लेखन - तेजपाल चौधरी
- साहित्य और सिनेमा : अंत संबंध और रूपांतरण - विपुल कुमार
- सिनेमा की सोच - अजय ब्रह्मात्मज
- सिनेमा के बारे में - जावेद अख्तर
- टेलिविजन की कहानी - श्याम कश्यप एवं मुकेश कुमार
- समाचार फीचर लेखन और संपादन कला - प्रो. हरिमोहन
- पत्रकारिता हेतु लेखन - डॉ. निशान्त सिंह, अर्चना पब्लिकेशन
- मीडिया लेखन : सिद्धांत और प्रयोग - मुकेश मानस, स्वराज प्रकाशन
- रेडिया प्रसारण - कौशल शर्मा, प्रतिभा प्रतिष्ठान

सेमेस्टर - IV

B-HIN(E)-CC-401-हिंदी गद्य साहित्य

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-100**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी गद्य की विभिन्न विधाओं से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- हिंदी गद्य की विविध विधाओं से परिचित होंगे।
- गद्य की विभिन्न विधाओं की विशिष्टता की समझ बढ़ेगी।
- हिंदी गद्यकारों की रचनाओं के माध्यम से समाज के यथार्थ की आलोचनात्मक समझ बनेगी।
- सामाजिक समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ेगी।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र पांच खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या खंड** - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो गद्यांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ-बोध खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं से एक गद्यांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिए जायेंगे विद्यार्थी को उस पद्यांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं के रचनाकारों के साहित्यिक परिचय, विषयवस्तु, मूल संवेदना व रचना-सौष्ठव संबंधी पांच समीक्षात्मक प्रश्न पूछा जायेंगें। विद्यार्थी को किंही तीन का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी खंड -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से सात लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से चार के उत्तर (लगभग 150 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ खंड -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषय

इकाई 1 हिंदी कहानी

- पूस की रात - प्रेमचंद
- परदा - यशपाल
- चीफ की दावत - भीष्म साहनी
- वापसी - उषा प्रियंवदा

इकाई 2 हिंदी निबंध

- लोभ और प्रीति - रामचंद्र शुक्ल
- कुटज - हजारीप्रसाद द्विवेदी

इकाई 3 हिंदी नाटक

- आषाढ़ का एक दिन - मोहन राकेश

सहायक पुस्तकें

- हिंदी कहानी का विकास - मधुरेश
- हिंदी उपन्यास का विकास - मधुरेश
- कहानीः नयी कहानी - नामवर सिंह
- हिन्दी गद्य का इतिहास - रामचन्द्र तिवारी
- आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास और विश्लेषण - विजयमोहन सिंह
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह
- हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास - दशरथ ओझा

B-HIN(E)-SEC-402-समाचार संकलन और लेखन

क्रेडिट - 2 **कुल अंक-50**

समय-1.30 घंटे, **परीक्षा अंक - 40, आंतरिक मूल्यांकन - 10**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

पत्रकारिता व जनसंचार में दक्षता।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- समाचारों के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पक्षों के ज्ञान में अभिवृद्धि होगी।
- जनसंचार के प्रिंट माध्यमों के लिए लेखन की क्षमता विकसित होगी।
- इलेक्ट्रोनिक माध्यमों के लिए लेखन की क्षमता विकसित होगी।
- समाचारों के प्रति औलोचनात्मक व खोजी दृष्टि का विकसित होगी

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न** - निर्धारित पाठ्यक्रम में से 4 समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को 2 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 4 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 2 के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 4 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषयः

- समाचार: अवधारणा, परिभाषा, बुनियादी तत्व, समाचार और संवाद, संरचना (घटक), समाचार मूल्य। समाचार के स्रोत।
- समाचार संग्रह-पद्धति और लेखन-प्रक्रिया: सिद्धान्त और मार्गदर्शक बातें। विकासशील और जनरुचि की दृष्टियाँ।
- समाचार का वर्गीकरण - खोजी, व्याख्यात्मक, अनुवर्तन समाचार।
- संवाददाता: भूमिका, अर्हता, श्रेणियाँ, प्रकार्य एवं व्यवहार-संहिता।
- रिपोर्टिंग के क्षेत्र और प्रकार: (विधायिका, न्यायपालिका, मंत्रालय और प्रशासन, विदेश, रक्षा, राजनीति, अपराध और न्यायालय, दुर्घटना एवं नैसर्गिक आपदा, ग्रामीण, कृषि, विकास, अर्थ एवं वाणिज्य, बैठकें एवं सम्मेलन, संगोष्ठी, पत्रकार वार्ता, साहित्य एवं संस्कृति, विज्ञान, अनुसंधान

एवं तकनीकी विषय, खेलकूद, पर्यावरण, मानवाधिकार और अन्य सामाजिक विषयों और क्षेत्रों से सम्बन्धित रिपोर्टिंग)।

- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से प्राप्त समाचारों का पुनर्लेखन।
- लीड: अर्थ, प्रकार, विशेषता, महत्व।
- शीर्षक: अर्थ, प्रकार, लिखने की कला, महत्व।
- रिपोर्टिंग: कला और विज्ञान के रूप में विश्लेषण, वस्तुपरकता और भाषा-शैली।

सहायक पुस्तकें

- संचारभाषा हिन्दी - सूर्यकुमार दीक्षित, लोकभारती प्रकाशन
- पत्रकारिता हेतु लेखन - डॉ. निशान्त सिंह, अर्चना पब्लिकेशन
- मीडिया लेखन : सिद्धांत और प्रयोग - मुकेश मानस, स्वराज प्रकाशन
- पटकथा लेखन - मनोहरश्याम जोशी
- पटकथा लेखन - मन्नू भंडारी
- आकाशवाणी समाचार की दुनियाँ - संजय कुमार
- समाचार फ़ीचर लेखन एवं संपादन कला - प्रो. हरिमोहन
- प्रयोजनमूलक हिन्दी - विनोद गोदारे
- प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झाल्टे
- प्रालेखन प्रारूप - शिवनाराय चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन
- जनसंचारिकी सिद्धांत और अनुप्रयोग - प्रो. राम लखन मीना

सेमेस्टर - V

B-HIN(E)-SEC-501-कार्यालयी हिन्दी

क्रेडिट - 2 **कुल अंक-50**

समय-1.30 घंटे, **परीक्षा अंक - 40, आंतरिक मूल्यांकन - 10**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

कार्यालयी भाषा की जानकारी देना। संविधान में भाषा संबंधी प्रावधानों की जानकारी देना। विभिन्न कार्यालयों की जरूरतों को पहचानना।

पाठ्यक्रम के संभावित परिणाम

- हिंदी भाषा में कार्यालयी कार्य करने का ज्ञान होगा।
- संविधान में भाषा संबंधी प्रावधानों को जान सकेंगे।
- शासन-प्रशासन के कार्यों को हिंदी भाषा में करने की दक्षता।
- बैंक, विधि, वाणिज्य संबंधी कार्यों में दक्षता।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न** - निर्धारित पाठ्यक्रम में से 4 समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को 2 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 4 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 2 के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 4 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषय

- कार्यालयी हिंदी का उद्देश्य, कार्यालयी हिंदी की स्थिति और संभावनाएं।
- हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप-राष्ट्रभाषा, राजभाषा, जनभाषा, संपर्क भाषा, शिक्षण माध्यम-भाषा, संचार भाषा, सर्जनात्मक भाषा, यांत्रिक भाषा।
- राजभाषा का स्वरूप और आवश्यकता, भारतीय संविधान में राजभाषा संबंधी परिनियमावली का सामान्य परिचय, राजभाषा के रूप में हिन्दी के समक्ष व्यावहारिक कठिनाइयाँ एवं संभावित समाधान।

- टिप्पण, प्रारूपण, पल्लवन, संक्षेपण।
- कार्यालयी पत्राचार के विभिन्न प्रकार व अभ्यास (सरकारी पत्र, अर्ध सरकारी पत्र, परिपत्र, ज्ञापन, सूचना, निविदा, आदेश, अनुस्मारक)
- पारिभाषिक शब्दावली

सहायक पुस्तकें

- प्रयोजनमूलक हिन्दी - विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन
- प्रयोजनमूलक हिन्दी - दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन
- प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयुक्ति - जितेन्द्र कुमार सिंह, निर्मल पब्लिकेशन
- प्रयोजनमूलक हिन्दी और पत्रकारिता - डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन
- प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका - कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन
- प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ. माधव सोन टक्के, लोकभारती प्रकाशन
- प्रयोजनमूलक हिन्दी - प्रो. रमेश जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
- प्रयोजनमूलक हिन्दी - पी. लता, लोकभारती प्रकाशन
- राजभाषा सहायिका - अवधेश मोहन गुप्त, प्रभात प्रकाशन

B-HIN(E)-DSE-502-A-छायावादोत्तर हिंदी कविता

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-100**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

छायावादोत्तर हिंदी कविता से परिचय

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- छायावाद के बाद की हिंदी कविता के विविध स्वरों का परिचय होगा।
- काव्य संवेदना और इस समय की काव्य संवेदना में अंतर पता चलेगा।
- स्वतंत्रता के बाद के समाज का यथार्थ तथा उसके प्रति लेखकों की सृजनात्मक प्रतिक्रिया ज्ञात होगी।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र चार खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या -** निर्धारित पाठ में से दो पाठांश दिए जायेंगे विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक प्रश्न -** कविता का स्वरूप, आधुनिक हिंदी कविता का विकास, छायावादोत्तर कविता की प्रवृत्तियां, छायावादोत्तर कविता आंदोलनों का परिचय तथा पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों का परिचय, उनकी कविताओं की विषयवस्तु, मूल संवेदना व काव्य सौंदर्य संबंधी छः समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को किंही तीन का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से सात लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से चार के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

कवि व उनकी कविताएं

1.सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' - कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला
2. गजानन माधव मुक्तिबोध - भूल गलती, जन जन का चेहरा एक
3. नागार्जुन - अकाल और उसके बाद, कालिदास
4. शमशेर बहादुर सिंह - सूना सूना पथ है, उदास झरना, वह सलोना जिस्म
5. भवानी प्रसाद मिश्र - कहीं नहीं बचे, गीत फरोश
6. कुँवर नारायण - नचिकेता, कविता
7. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना - देश कागज पर बना नक्शा नहीं होता, हम ले चलेंगे
8. केदारनाथ सिंह - रचना की आधी रात, फर्क नहीं पड़ता

सहायक पुस्तकें

- केदारनाथ सिहिः प्रतिनिधि कविताएँ राजकमल प्रकाशन
- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना- कृष्णदत्त पालीवाल
- कुँवर नारायणः उपस्थिति- सं. यतीन्द्र मिश्र
- साहित्य और समकालीनता - राजेश जोशी
- आधुनिक साहित्य - नंददुलारे वाजपेयी
- निराला - राम विलास शर्मा
- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां - नामवर सिंह
- कवि अज्ञेय - नन्द किशोर नवल
- आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास - नन्द किशोर नवल

B-HIN(E)-DSE-502-B-हिंदी निबंध

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-100**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी निबंध से परिचय करवाना

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- वैचारिक क्षमता में अभिवृद्धि।
- हिंदी निबंधकारों व उनकी विशेषताओं से परिचय।
- निबंध की विविध शैलियों से परिचय।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र चार खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या -** निर्धारित पाठ में से दो पाठांश दिए जायेंगे विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ बोध -** निर्धारित पाठों में से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिये जायेंगे पाठ के आधारा पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक प्रश्न -** निबंध का स्वरूप, आधुनिक हिंदी निबंध का विकास, निबंध के तत्व, निबंध के प्रकार तथा पाठ्यक्रम में निर्धारित निबंधकारों का परिचय, उनके निबंधों की विषयवस्तु, मूल संवेदना व रचना सौंदर्य संबंधी छः समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को किंही तीन का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से सात लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से चार के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

निर्धारित निबंध

- बालकृष्ण भट्ट - साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है
- बालमुकुंद गुप्त - बंग-भंग
- चन्द्रधर शर्मा गुलेरी - कछुआ धर्म
- रामचन्द्र शुक्ल - उत्साह
- हरिशंकर परसाई - पगडण्डियों का जमाना
- विद्यानिवास मिश्र - अस्ति की पुकार हिमालय

- निर्मल वर्मा - अतीत: एक आत्म-मन्थन
- कुबेरनाथ राय - एक महाकाव्य का जन्म
- हजारी प्रसाद द्विवेदी - अशोक के फूल
- महादेवी वर्मा - जीने की कला
- रामधारी सिंह 'दिनकर' - भारत की सांस्कृतिक एकता

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी में निबंध-साहित्य - जनार्दन स्वरूप अग्रवाल
- साहित्यिक निबंध - गणपति चन्द्र गुप्त
- हिन्दी निबन्ध की विभिन्न शैलियाँ - डॉ. मोहन अवस्थी
- निबन्ध : सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. हरिहरनाथ द्विवेदी
- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह
- आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास और विश्लेषण - विजयमोहन सिंह
- बीसवीं शताब्दी का हिन्दी साहित्य - विजयमोहन सिंह

B-HIN(E)-GE-503-सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-100**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

सर्जनात्मक लेखन के विविध आयामों से परिचय

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- सर्जनात्मक लेखन की विविध विधाओं के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पक्षों का ज्ञान।
- प्रिंट माध्यमों के लिए रचनात्मक लेखन क्षमता का विकास।
- दृश्य-श्रव्य माध्यमों के लिए लेखन की क्षमता का विकास।
- इंटरनेट व सामाजिक माध्यमों के लेखन के प्रति आलोचनात्मक दृष्टि का विकास

परीक्षा संबधी निर्देश - पाठ्यक्रम चार इकाइयों में विभक्त है। प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न -** निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न पूछा जाएगा। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से छः के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

इकाई 1 सृजनात्मकताः अवधारणा और सिद्धांत

- सृजनात्मकता की अवधारणा,
- भाषाः आंचलिकता,
- सृजन-सौष्ठवः प्रतीक, बिम्ब, अलंकार, वक्रता

इकाई 2 विविध विधाओं का लेखनः विषयवस्तु चयन और प्रस्तुतिकरण

- कविताः संवेदना, भाषा, छंद, लय
- कथा साहित्यः विषयवस्तु, परिवेश, पात्र, भाषा
- नाटकः विषयवस्तु, परिवेश, पात्र, भाषा
- निबंधः विषयवस्तु, भाषा,

- व्यंग्यः विषयवस्तु, भाषा
- बच्चों के लिए सृजनात्मक लेखन

इकाई 3 प्रिंट माध्यम के लिए लेखनः

- रिपोर्ताज़: अर्थ, विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि।
- फीचर लेखन: विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि।
- साक्षात्कार (इण्टरव्यू/भेंटवार्ता): उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार-प्रविधि, महत्व।
- फिल्म समीक्षा और पुस्तक समीक्षा।

इकाई 4 - इलेक्ट्रोनिक माध्यम के लिए लेखनः

- पटकथा लेखनः विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि।
- संवाद लेखनः विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि।
- विज्ञापन लेखनः विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि।
- रिपोर्ट लेखनः विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि।
- दृश्य-सामग्री (छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि) से संबन्धित लेखन।

सहायक सामग्री

- कथा-पटकथा - मन्नू भंडारी
- पटकथा लेखन - मनोहर श्याम जोसी
- रचनात्मक लेखन - सं. रमेश गौतम
- साहित्य सहचर - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- साहित्यालोचन - श्यामसुंदर
- कविता की रचना प्रक्रिया - कुमार विमल
- सर्जक का मन - नंदकिशोर आचार्य

सेमेस्टर VI

B-HIN(E)-SEC-601-अनुवाद विज्ञान

क्रेडिट - 2 **कुल अंक-50**

समय-1.30 घंटे, **परीक्षा अंक - 40, आंतरिक मूल्यांकन - 10**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

अनुवाद के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पहलुओं से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम से अपेक्षित परिणाम

- विभिन्न विषयों का अनुवाद करने में सक्षम।
- भाषा प्रयोग की दक्षता में अभिवृद्धि।
- शासन-प्रशासन के कार्यों को करने में दक्षता।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न** - निर्धारित पाठ्यक्रम में से 4 समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को 2 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 4 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 2 के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 4 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषय

- अनुवाद की अवधारणा
- अनुवाद प्रक्रिया एवं सम्पादन प्रविधि।
- अनुवादक की योग्यता, सफल अनुवादक के अभिलक्षण।
- हिन्दी में अनुवाद की परंपरा
- हिन्दी अनुवाद का भविष्य।
- मशीनी अनुवाद और उसकी समस्याएं
- अनुवाद के प्रमुख प्रकार - कार्यालयी, साहित्यिक, ज्ञान-विज्ञानपरक, विधिक, वाणिज्यिक।

- अनुवाद के शिल्पगत भेद अविकल अनुवाद (लिटरल), भावानुवाद/छायानुवाद, आशु अनुवाद, डबिंग, कम्प्यूटर अनुवाद।
- साहित्यिक अनुवाद के प्रमुख रूप - काव्यानुवाद, कथानुवाद, नाट्यानुवाद।
- वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली का अनुवाद, मुहावरों/लोकोक्तियों का अनुवाद, आंचलिक शब्दावली का अनुवाद।

सहायक सामग्री

- अनुवाद विज्ञानः सिद्धांत और अनुप्रयोग - सं. डा. नगेंद्र
- अनुवाद विज्ञान - भोला नाथ तिवारी
- वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ - भोला नाथ तिवारी
- प्रशासन में राजभाषा हिन्दी - डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया
- पश्चिम में अनुवाद-कला के मूल स्त्रोत - डॉ. गार्गी गुप्त, विश्वनाथ गुप्त
- अनुवाद का भाषिक सिद्धांत - जे.सी.कैटफोर्ड
- अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग - जी. गोपीनाथन
- व्यावहारिक अनुवाद - एन. ई. विश्वनाथ अय्यर
- अनुवाद विज्ञान की भूमिका - कृष्णकुमार गोस्वामी

B-HIN(E)-DSE-602-A-बालमुकुंद गुप्त

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-100**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

बालमुकुंद गुप्त के जीवन व साहित्य के विविध आयामों से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- बालमुकुंद गुप्त के साहित्यिक-सांस्कृतिक योगदान का परिचय।
- बालमुकुंद गुप्त के युग व साहित्य का बोध।
- हिंदी भाषा व पत्रकारिता के निर्माण व मूल्यों के प्रति चेतना का विकास।
- राष्ट्रीय आंदोलन में साहित्य, पत्रकारिता के योगदान से परिचय।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र चार खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या -** निर्धारित पाठ में से दो पाठांश दिए जायेंगे विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ बोध -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से एक पाठांश व तत्संबंधी प्रश्न दिए जायेंगे विद्यार्थी को पाठ के आधार पर उनका उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक प्रश्न -** निर्धारित पाठ्य विषयों में से पांच समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को किंही तीन का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से सात लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से चार के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषयः

- बालमुकुंद गुप्त का जीवन परिचय
- बालमुकुंद का साहित्यिक का परिचय
- पत्रकार बालमुकुंद गुप्त
- भाषाविद् बालमुकुंद गुप्त
- बाल साहित्यकार बालमुकुंद गुप्त
- कवि बालमुकुंद गुप्त

- व्यंग्यकार बालमुकुंद गुप्त
- बालमुकुंद गुप्त की भाषा
- बालमुकुंद साहित्य की प्रासंगिकता
- बालमुकुंद गुप्त और हिंदी नवजागरण

व्याख्या के लिए

कविताएं (भैंस का स्वर्ग, सभ्य बीबी की चिट्ठी, प्लेग की भूतनी, होली, देशोद्धार की तान, चूहों का मातम, पंजाब में लॉयल्टी, पोलिटिकल होली, वसंत, जोगीड़ा, टेसू)

पाठ बोध के लिए

निबंध (वैसराय का कर्तव्य, पीछे मत फेंकिये, बंग-विच्छेद, हंसी-खुशी, हिंदी की उन्नति**)**

पाठ्य पुस्तक

बालमुकुंद गुप्तः जीवन, सृजन और मूल्यांकन; सं. सुभाष चंद्र

सहायक पुस्तकें

- बालमुकुंद गुप्त रचनावली; सं. के.सी. यादव ; हरियाणा इतिहास एवं संस्कृति अकादमी, गुरुग्राम (हरि.)
- बालमुकुंद निबंधावली; झाबरमल शर्मा व बनारसीदास चतवेर्दी; गुप्त स्मारक ग्रंथ प्रकाशन समिति, कलकत्ता।
- बालमकुंद गुप्त; मदन गोपाल; साहित्य अकादमी प्रकाशन, दिल्ली
- बालमुकुंद गुप्त ग्रंथावली; नत्थन सिंह; हिरयाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला
- बालमुकुंद गुप्तः संकलित निबंध; कृष्णदत्त पालीवाल; राष्ट्रीय पुस्तक न्यास भारत, दिल्ली
- देस हरियाणा (बालमुकुंद गुप्त विशेषांक)

B-HIN(E)-DSE-602-B-लोक साहित्य

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-100**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

लोक साहित्य व लोक संस्कृति से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

लोक साहित्य की विभिन्न विधाओं से परिचय।

लोक-संस्कृति के विभिन्न पक्षों से परिचय।

लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति के के संकलन, संरक्षण, अध्ययन एवं विश्लेषण में रुचि।

परीक्षा संबधी निर्देश- पाठ्यक्रम चार इकाइयों में विभक्त है। प्रश्न पत्र पांच खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या खंड** - निर्धारित पाठ्यक्रम (स्वांग व लोकगीत) से दो पद्यांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- समीक्षात्मक खंड में निर्धारित पाठ्यक्रम की इकाई 1, 2 व 3 में से विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न पूछा जाएगा। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- लघुत्तरी खंड में निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से सात लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से छः के उत्तर (लगभग 150 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।
- वस्तुनिष्ठ खंड में निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

निर्धारित पाठ्य विषय

इकाई - 1

- लोक साहित्य- परिभाषा एवं स्वरूप, साहित्य और लोक साहित्य के संबंध, लोक साहित्य की प्रवृतियां, लोक साहित्य के विशिष्ट अध्येताओं का परिचय - देवेंद्र सत्यार्थी, विजयदान देथा, वासुदेव शरण अग्रवाल
- लोक संस्कृति - अवधारणा, लोक संस्कृति और साहित्य, लोक साहित्य के अध्ययन की प्रक्रिया, लोक साहित्य के संकलन की समस्याएं। हिंदी प्रदेश की लोक बोलियों और उनके साहित्य का परिचय

इकाई -2

- लोक साहित्य के रूप - लोक नाट्य और लोक गीत
- लोकनाट्य - स्वांग, भवाई, माच, तमाशा, नौटंकी, जात्रा, ।
- लोकगीत - संस्कार गीत, व्रतगीत, श्रम गीत, ऋतुगीत।
- रागनी - उद्भव, विकास व विशेषताएं।

इकाई - 3

- लोक साहित्य के रूप - लोक कथा, लोकगाथा, लोकोक्तियां, पहेलियां।
- लोककथा - व्रतकथा, परीकथा, नागकथा, बोधकथा।
- कथानक रूढ़ियाँ एवं अभिप्राय, लोककथा निर्माण में अभिप्राय
- लोकगाथा - लोकगाथा की भारतीय परम्परा, लोकगाथा की सामान्य प्रवृत्तियाँ, लोकगाथा प्रस्तुति। प्रसिद्ध लोकगाथाएँ - ढोला-मारू, गुग्गा पीर, नल-दमयन्ती, हीर-राँझा।

इकाई - 4 लोक साहित्यः व्याख्या के लिए

- स्वांग गूगे राजपूत बागड़ देस का - संकलनकर्ता आर. सी. टेम्पल
- 7 लोकगीत व 10 रागनी

सहायक पुस्तकें

- लोक साहित्य की भूमिका - कृष्णदेव उपाध्याय
- भारत का लोक साहित्य - कृष्णदेव उपाध्याय
- हरियाणा का लोक साहित्य - लालचंद गुप्त 'मंगल'
- लोक संस्कृति के क्षितिज - पूर्णचन्द शर्मा
- हरियाणा का लोक साहित्य - शंकर लाल यादव
- हरियाणवी साहित्य और संस्कृति - पूर्णचंद शर्मा
- हरियाणवी लोकधारा (प्रतिनिधि रागनियां) - सं. सुभाष चन्द्र

B-HIN(E)-GE-603-आधुनिक भारतीय कविता

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-100**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

भारतीय भाषाओं की कविता व कवियों से परिचय

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- भारतीय भाषाओं के प्रमुख कवियों की कविताओं की समझ।
- भारतीय संस्कृति के लगाव, राष्ट्रीय एकता व अंखडता की भावना का विकास।
- साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन की दृष्टि का विकास

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र चार खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या -** निर्धारित पाठ में से दो पाठांश दिए जायेंगे विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ बोध -** निर्धारित पाठों में से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिये जायेंगे पाठ के आधारा पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक प्रश्न -** भारतीयता कविता का स्वरूप, कविता में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन और भारतीय कविता, भारतीय कविता की प्रवृतियां तथा पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों का परिचय, उनकी कविताओं की विषयवस्तु, मूल संवेदना व काव्य सौंदर्य संबंधी छः समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को किंही तीन का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से सात लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से चार के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

निर्धारित कवि (निम्नलिखित कवियों की तीन तीन कविताएं)

हिंदी - सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
मुक्तिबोध

उर्दू - ग़ालिब
हाली

पंजाबी - लालसिंह दिल
सुरजीत पातर

बांग्ला - रवीन्द्रनाथ ठाकुर
काज़ी नज़रुल इस्लाम

सहायक पुस्तकें

- भारतीय साहित्य : स्थापनाएं और प्रस्तावनाएं - के. सच्चिदानंद
- भारतीय साहित्य की भूमिका - डॉ. रामविलास शर्मा
- भारतीय साहित्य - डॉ. राम छबीला त्रिपाठी
- भारतीय साहित्य - डॉ. नगेन्द्र
- भारतीय साहित्य - डॉ. मूलचन्द गौतम
- भारतीय साहित्य - भोलाशंकर व्यास
- परंपरा का मूल्यांकन - रामविलास शर्मा
- संस्कृति के चार अध्याय - रामधारी सिंह दिनकर